अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. निम्नलिखित को लिपिबद्ध करें। (कोई भी चार) (4X5=20)

अ) सुलताल / झपताल मे एक चक्रदार। (पं.भातखंडे लिपि)

ब) एकताल / चौताल की आड लय। (पं.पलुस्कर लिपि)

क) त्रिताल / चौताल की बिआड लय। (पं.भातखंडे लिपि)

ड) झूमरा / मत्त की एकगुन औद दुगुन लिखे। (पं.पलुस्कर लिपि)

इ) रुपक / धमार ताल में सम से समतक एक दमदार तिहाई लिखें। (पं.पलुस्कर लिपि)

फ) एकताल / धमार ताल में एक तिस्र जाती की पूर्ण-सकल्पीत रचना (केवल मुख) एक गुन तथा दुगुन मे लिखे। (पं.भातखंडे लिपि)

प्र.2. परिभाषा सोदाहरण स्पष्ट करें। (कोई भी चार) (4X5=20)

अ) आमद ब) त्रिपल्ली क) चौपल्ली

ड) गत-कायदा इ) साथपरण फ) कमाली चक्रदार

ग) रेला

प्र.3. निम्नलिखित में से किन्ही दो कलाकारोंका विस्तृत (2X10=20) परिचय तथा उनके योगदान के विषय में लिखे।

अ) पं.सामताप्रसाद ब) उ.अल्लारखाँ क) स्वामी पागलदास

ड) राजा छत्रपती सिंह इ) उ.अहमदजान थिरकवाँ

फ) उ.अफाक हुसैन

प्र.4. "गायन, वादन और नृत्य की संगत" इस विषय पर विस्तृत रुप से लिखे और उनमे प्रयुक्त होनेवाले तालो पर भी प्रकाश डाले। (20)

प्र.5. निम्नलिखित गायनशैलीयों के बारे में विस्तृत जानकारी लिखकर इनके संगत मे प्रयुक्त होनेवाले तालों के नाम लिखो। (4X5=20)

अ) धमार ब) गझल क) धृपद ड) टप्पा

प्र.6. अ) आपने वाद्य का इतिहास तथा विकास इस विषयपर संक्षेप में लिखे। (10)

आ) संगीत में ताल-लय का महत्त्व। (10)

प्र.7. अ) सही या गलत चुनकर लिखे। ((5)

1) उ.अहमदजान थिरकवा धृपद गायक थे।
2) पं.सामताप्रसाद बनारस घराने के कलाकार थे।
3) तबला / पखावज वितत वाद्य मे आते है।
4) पंजाबी ताल मे धमार गाते है।
5) धमार / झपताल मे चार खंड है।

ब) सही जोडीयाँ मिलाएँ। (5)

1) धमार	सा) टप्पा गायकी
2) पंजाबी ताल	रे) दो खाली (काल) है।
3) तिहाई	ग) 3 खंड
4) एकताल / चौताल	म) आठवी मात्रापर काल
5) रुपक / तिव्रा	प) दमदार तथा बेदम

क) एक वाक्य में उत्तर लिखे। (5)

1) धृपद गायन में कौनसा तालवाद्य प्रयुक्त होता है?
2) उ.अल्लारखाँजी के गुरु का नाम क्या था?
3) बनारस घराना किस बाज मे वर्गीकृत होता है?

4) टप्पा के संगत में कौनसे ताल प्रयोग मे आते है ?

5) पाठ्यक्रम मे उल्लेखित किस गायन शैली मे लग्गी का प्रयोग होता है ?

ड) सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। **(5)**

1) दस मात्रा के ताल की तिगुन का एक अवर्तन ---------- मात्रा में आएगा।

सा) $2\frac{1}{2}$ रे) $3\frac{1}{3}$ ग) $6\frac{2}{3}$

2) सात मात्रा के ताल की कुआड का एक अवर्तन ---------- मात्रा में आएगा।

सा) 7 रे) 4 ग) $5\frac{3}{5}$

3) चौदाह मात्रा के तालकी चौगुन का एक अवर्तन ---------- मात्रा मे आएगा।

सा) 7 रे) $10\frac{1}{2}$ ग) $3\frac{1}{2}$

4) धमार गायकी के संगत मे ---------- ताल प्रयुक्त होता है।

सा) चौताल रे) तिव्रा ग) धमार

5) ---------- ताल मे विलंबीत ख्याल गाते है।

सा) त्रिताल रे) मत्त ग) केरवा